अर्द्धवार्षिक परीक्षा (2021.22)
हिन्दी अ
कक्षा – 9

समय – 90 मिनट अंक–40

सामान्य निर्देश

- इस प्रश्नपत्र में तीन खंड हैं – खंड–क, खंड–ख, खंड–ग।
- इस प्रश्नपत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड–क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड–ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड–ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खंड–क

1. नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए है किसी <u>एक</u> गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए-

शारीरिक दृष्टि से सम्पन्न होना मनुष्य के लिए उतना ही आवश्यक है जितना कि बौद्धिक दृष्टि से। केवल बुद्धि का विकास करने से शरीर उपेक्षित रह जाता है। शरीर की उपेक्षा करने से मनुष्य निर्बल एवं अस्वस्थ हो जाता है। व्यायाम हमारे स्वास्थ्य की कुंजी है। मानव शरीर एक यंत्र है। यदि हम यंत्र को बेकार छोड़ दें तो उसके पुर्जों में जंग लग जाएगा और अंततः वे व्यर्थ हो जाएँगे। ठीक उसी प्रकार यदि हम अंगों का संचालन न करें तो हमारे अंगों का समुचित विकास न होगा। क्रमशः हमारी शक्ति क्षीण होती जाएगी और हमारा शरीर आनंद निकेतन न रहकर व्याधि मंदिर बन जाएगा। मनुष्य अपना भाग्य-विधाता स्वयं है। वह सक्रिय रहे तो अपनी बलिष्ठ भुजाओं के बल पर संसार में विजय का डंका बजा सकता है , यदि निष्क्रिय रहे तो खाट पर पड़े-पड़े मृत्यु की घड़ियाँ गिन सकता है।

(i) **मनुष्य के लिए किस दृष्टि से सम्पन्न होना आवश्यक है** ? **1**

(क) आर्थिक दृष्टि से
(ख) मानसिक दृष्टि से
(ग) शारीरिक दृष्टि से
(घ) सामाजिक दृष्टि से

(ii) **किसकी उपेक्षा करने से मनुष्य निर्बल हो जाता है**? **1**

(क) धन की
(ख) मन की
(ग) तन की
(घ) गन की

(iii) **सभी तरह स्वास्थ्य की कुंजी बताया गया है** **1**

(क) धन को
(ख) मन को
(ग) व्यायाम को
(घ) भोजन को

(iv) **हमारा शरीर आनंद-निकेतन न रहकर व्याधि मंदिर तब बन जाएगा जब हम** **1**

(क) धन की कमी से त्रस्त हों
(ख) भोजन की कमी से दुखी हों
(ग) शरीर की उपेक्षा कर देते हैं
(घ) बल की कमी हो जाती है

(v) **व्यक्ति का भाग्य-विधाता होता है** **1**

(क) परिवार
(ख) वह स्वयं
(ग) पड़ोसी लोग
(घ) शिक्षक लोग

अथवा

क्या था, इस विषय का ज्ञान मेरे मित्रों और हितैषियों को बहुत ही कम है। उन्होंने मुझे अनेक पत्र लिखे और उलाहने दिए हैं। वे चाहते हैं कि मैं अपनी जीवन–कथा अपने ही मुँह से कह डालूँ। पर पूर्ण रूप से उनकी आज्ञा का पालन करने की शक्ति मुझमें नहीं है। अपनी कथा कहते हुए संकोच हाता है, उसमें तत्व भी तो नहीं। उससे कोई कुछ सीख भी तो नहीं सकता। तथापि जिन सज्जनों ने मुझे अपना कृपा–पात्र बना लिया है, उनकी आज्ञा का उल्लंघन भी धृष्टता होगी। अतएव मैं अपने जीवन से संबंध रखने वाली कुछ बातें सूत्र रूप में सुना देना चाहता ह्ं। नौकरी छोड़ने पर मेरे मित्रों ने कई प्रकार से मेरी सहायता करने की इच्छा प्रकट की। किसी ने कहा–''आओ, मैं तुम्हें अपना प्राइवेट सेक्रेटरी बनाऊँगा।'' किसी ने कहा–'' मैं तुम्हारे साथ बैठकर संस्कृत पढ़ूँगा।'' किसी ने कहा–'' मैं तुम्हारे लिए छापाख़ाना ख्लवा दूँगा।'' पर मैंने अपनी कृतज्ञता की सूचना दे दी और लिख दिया कि अभी मुझे आपके सहायता–दान की विशेष आवश्यकता नहीं। मैंने सोचा–अव्यवस्थित चित्त मनुष्य की सफलता में सदा संदेह रखता है। क्यों न मैं अंगीकृत कार्य ही में अपनी सारी शक्ति लगा दूँ। प्रयत्न और परिश्रम की बड़ी महिमा है। अतएव 'सब तज हरि भज' की मिसाल चरितार्थ करता हुआ इंडियन प्रेस प्रदत्त कार्य ही में मैं अपनी शक्ति खर्च करने लगा। जो थोड़ा बहुत अवकाश कभी मिलता तो उसमें अनुवाद आदि का कुछ काम और करता था।

I) लेखक अपनो जीवन–कथा क्यों नहीं लिखना चाहता था? **1**

(क) उसके मित्र और हितैषी कम थे
(ख) उसके पास नौकरी नहीं थी
(ग) जीवन कथा में कोई तत्व नहीं था
(घ) इन में से कोई नहीं।

II) मन में असफलता का संदेह कौन रखता है? **1**

(क) अव्यवस्थित चित्त मनुष्य
(ख) कृपा–पात्र व्यक्ति
(ग) मित्र और हितैषी
(घ) प्रयत्न और परिश्रम न करने वाला

III) नौकरी छोड़ने पर लेखक की किस–किसने सहायता करने की इच्छा प्रकट की? **1**

(क) परिवार वालों ने
(ख) प्राइवेट सेक्रेटरी ने
(ग) मित्रों ने
(घ) इन में से कोई नहीं।

IV) नौकरी से इस्तीफा देने के बाद लेखक ने किस काम में अपनी सारी शक्ति लगा दी? **1**

(क) इंडियन प्रेस प्रदत्त कार्य में
(ख) छापाख़ाने में
(ग) संस्कृत पढ़ाने में
(घ) कृषि में

V) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है? **1**

(क) लेखक और उसके मित्र
(ख) लेखक और उसका मन
(ग) सब तज हरि भज
(घ) लेखक के विचार

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए-**

जैसे बुद्धि की खुराक ज्ञान है वैसे ही शरीर की खुराक व्यायाम है। मनुष्य जो भोजन करता है उसे पचाने हेतु शारीरिक व्यायाम अनिवार्य है अन्यथा पाचन-शक्ति क्षीण होती चली जाएगी। पाचन-शक्ति का संतुलन बिगड़ने से अपच हो जाता है, फिर संक्रामक रोगों को आश्रय मिलता है। शक्तिदायक एवं पौष्टिक भोजन करते रहने से मनुष्य में स्थूलता अर्थात् चर्बी बढ़ती जाती है। चर्बी बढ़ने से हिलना-डुलना भी कष्टकारक हो जाता है। अतः भोजन को पचाने के लिए कसरत अनिवार्य है। संसार में जीने के लिए स्वस्थ शरीर आवश्यक है। कहा भी गया है-स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। जो व्यक्ति व्यायाम से वंचित रह जाते हैं, वे संसार में भटक जाते हैं। पौराणिक काल में राजकुमारों को शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु शास्त्र और शस्त्र दोनों की ही शिक्षा दी जाती थी।

।) शरीर की खुराक होता है **1**

(क) भोजन
(ख) जल
(ग) व्यायाम
(घ) ज्ञान

II) **शारीरिक व्यायाम अनिवार्य है ताकि हमारा** **1**
(क) **शरीर स्वस्थ रह सके**
(ख) **भोजन का अच्छी तरह पाचन हो सके**
(ग) **स्वास्थ्य ठीक बना रहे**
(घ) **शरीर सुंदर लगे**

III) **जब पाचन-शक्ति का संतुलन बिगड़ जाता है तब** **1**
(क) **पेट में खराबी हो जाती है**
(ख) **अपच हो जाता है**
(ग) **गड़बड़ी बढ़ जाती है**
(घ) **मन और शरीर दोनों अस्वस्थ रहते हैं**

IV) **व्यक्ति का मन भी तभी स्वस्थ रहता है जब** **1**
(क) **उसका ज्ञान क्षीण न हुआ हो**
(ख) **धन की कमी न हो**
(ग) **शरीर स्वस्थ हो**
(घ) **पारिवारिक सुख हो**

V) **पौराणिक काल में राजकुमारों को किस प्रकार की शिक्षा दी जाती थी** ? **1**
(क) **शास्त्रों की**
(ख) **वैदिक संस्कृति की**
(ग) **शस्त्रों की**
(घ) **शस्त्र और शास्त्र दोनों की**

अथवा

मनुष्य के जीवन में संतोष का महत्त्वपूर्ण स्थान है। संतोषी मनुष्य सुखी रहता है। असंतोष हर बीमारी की जड़ है। कबीर ने कहा है कि रुपये–पैसे से कभी संतोष नहीं मिलता। संतोष रूपी दौलत मिलने पर समस्त वभव धूल के समान प्रतीत होता है। मनुष्य जितना रुपया पाता जाता है उतना ही असंतोष पैदा होता जाता है। यह असंतोष मानसिक तनाव उत्पन्न करता है जो अनेक रोगों की जड़ है। रुपया–पैसा मनुष्य को समस्याओं में उलझा देता है। संत को संतोषी बताया गया है; क्योंकि केवल भोजन की प्राप्ति से उसे संतोष मिल जाता है। हमें संत जैसा होना चाहिए और अपनी इच्छाओं को सीमित रखना चाहिए। जब इच्छाएँ हम पर हावी हो जाती हैं तो हमारा मन सदा असंतुष्ट रहता है। हमें कभी सांसारिक चीजें संतोष नहीं दे सकतीं। संतोष का संबंध मन से ह। संतोष सबसे बड़ी दौलत है। इसके सामने रुपया–पैसा एवं सोना–चाँदी सब कुछ बेकार है।

I) हम पर जब इच्छाएँ हावी हो जाती हैं तब क्या होता है? **1**
(क) मन संसार में रम जाता है
(ख) मन सदा असंतुष्ट रहता है
(ग) मन में खुशी होती है
(घ) मन सदैव चंचल रहता है

II) संतोष का संबंध किससे है? **1**
(क) संसार से
(ख) मन से
(ग) दौलत से
(घ) चीज़ों से

III) संतोषी रूपी दौलत मिलने से क्या होता है? **1**
(क) मन में संतुष्टि आ जाती है
(ख) जीवन में खुशियाँ छा जाती हैं
(ग) दौलत की इच्छा बढ़ जाती है
(घ) समस्त वैभव धूल के समान लगने लगता है

IV) 'संतोष' का विलोमार्थी शब्द चुनिए। **1**
(क) रोष
(ख) आक्रोश
(ग) असंतोष
(घ) परितोष

V) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है – **1**
(क) संतोष का महत्व (ख) संसार
(ग) मनुष्य (घ) जीवन

3. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए –

निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द में जुड़े उपसर्ग के विकल्प में से सही विकल्प चुनिए **1**

I) सदाचार

क) सत् + आचार
ख) सद् + आचार
ग) स् + आचार
घ) सदा + चार

II) परिक्रमा **1**

क) पर + क्रिमा
ख) परि + क्रमा
ग) परी + क्रमा
घ) परा + क्रमा

निम्नलिखित शब्दों के नीचे दिए गए मूल शब्द से जुड़े प्रत्यय के विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :

III) तैराक **1**

क) तैर + आक
ख) तैर + अक
ग) तैरा + क
घ) तै + राक

IV) भुलक्कड़ **1**

क) भूल + अकड़
ख) भूल + अक्कड़
ग) भुल + अक्कड़
घ) भुल + अकड़

V) शर्माला **1**

(क) शर्म + ईला
(ख) शर्मा + ईला
(ग) शर्म + इला
(घ) शर्मा + ला

4. दिए गए विकल्पों में से निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह और समास के नाम का सही विकल्प चुनिए। (कोई चार)

I) गृहप्रवेश **1**

क) गृह पर प्रवेश - बहुव्रीहि समास
ख) गृह का प्रवेश - कर्मधारय समास
ग) गृह के लिए प्रवेश - द्वंद्व समास
घ) गृह में प्रवेश - तत्पुरुष समास

II) परमेश्वर **1**

क) परम है जो ईश्वर - कर्मधारय समास
ख) परम ईश्वर - द्विगु समास
ग) परम ईश्वर है जो - बहुव्रीहि समास
घ) ईश्वर जो परम है - द्वंद्व समास

III) जल - थल **1**

क) जल और थल - द्वंद्व समास
ख) जल में थल - द्विगु समास
ग) जल है जो थल - बहुव्रीहि समास
घ) जल जैसा थल - कर्मधारय समास

IV) नवरत्न **1**

क) नौ है जो रत्न - बहुव्रीहि समास
ख) नौ रत्नों का समूह - द्विगु समास
ग) नौ रत्न - कर्मधारय समास
घ) नव रत्न - द्वंद्व समास

V) गिरिधर **1**

(क) गिरि के धर – द्वन्द्व समास
(ख) गिरि है जो धर – तत्पुरूष समास
(ग) गिरि को धारण करने वाला (कष्ण) – बहुव्रीहि समास
(घ) गिरि के लिए धर – द्विगु समास

5. निम्नलिखित वाक्य के भेद का सही विकल्प चुनिए। (कोई चार)

I) मैं किसी से शत्रुता नहीं रखना चाहता। **1**

क) आज्ञार्थक
ख) विधान वाचक
ग) संदेह वाचक
घ) निषेधार्थक

II) भगवान तुम्हें दीर्घायु करे। **1**

क) आज्ञा वाचक
ख) संकेत वाचक
ग) इच्छा वाचक
घ) संदेह वाचक

III) क्या सुरेश ने पत्र लिखा है ? **1**

क) प्रश्न वाचक
ख) विधान वाचक
ग) संकेत वाचक
घ) विस्मयादि बोधक

IV) सविता भूल चुकी होगी। **1**

क) निषेधार्थक
ख) संदेहार्थक
ग) इच्छा वाचक
घ) विधान वाचक

V) आप यहाँ से जाइए। **1**

(क) विस्मयादिबोधक
(ख) संदेहार्थक
(ग) आज्ञार्थक
(घ) विधानवाचक

6. निम्नलिखित में अलंकार का सही विकल्प चुनिए। (कोई चार)

I) कालिंदी कूल कदव की डारन **1**

क) रूपक
ख) उत्प्रेक्षा
ग) यमक
घ) अनुप्रास

II) काली घटा का घमंड घटा **1**

क) अनुप्रास
ख) यमक
ग) श्लेष
घ) अतिश्योक्ति

III) हाय फूल- सी कोमल बच्ची हुई राख की थी ढेरी। **1**

क) उपमा
ख) रूपक
ग) यमक
घ) श्लेष

IV) हनुमान की पूँछ में, लगन न पाई आग। **1**
लंका सगरी जल गई , गए निशाचर भाग।

क) मानवीकरण
ख) यमक
ग) अतिश्योक्ति
घ) अनुप्रास

V) पहुन ज्यों आए हो गाँव में शहर के **1**
मेघ आए बड़े बन–ठन के सँवर के

(क) उपमा (ख) रूपक
(ग) उत्प्रेक्षा (घ) अतिश्योक्ति

खंड–ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए।

दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक-भाषा में विचार-विनिमय करते थे। एक, दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाता था, हम नहीं कह सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे-विग्रह के नाते से नहीं, केवल विनोद के भाव से, आत्मीयता के भाव से, जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है। इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी, कुछ हल्की-सी रहती है, जिस पर ज्यादा विश्वास नहीं किया जा सकता । जिस वक्त ये दोनों बैल हल या गाड़ी में जोत दिए जाते और गरदन हिला-हिलाकर चलते, उस वक्त हर एक की यही चेष्टा होती थी कि ज्यादा- से-ज्यादा बोझ मेरी ही गरदन पर रहे। दिन-भर के बाद दोपहर या संध्या को दोनों खुलते, तो एक-दूसरे को चाट-चूटकर अपनी थकान मिटा लिया करते।

I) गद्यांश में 'दोनों' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ? **1**

(क) मनुष्यों के
(ख) बैलों के
(ग) गधों के
(घ) घोड़ों के

II) दोनों बैल किस भाषा में विचार-विनिमय करते थे? **1**

(क) बोलचाल की भाषा मे
(ख) मूक-भाषा में
(ग) काव्य की भाषा में
(घ) हिंदी भाषा में

III) 'विग्रह' शब्द का अर्थ बताइए: **1**

(क) प्रेम
(ख) दोस्ती
(ग) झगड़ा
(घ) अलगाव

IV) दोनों बैल अपना प्रेम किस प्रकार प्रकट करते थे? **1**

(क) एक साथ बैठकर
(ख) फुसफुसाकर
(ग) मूक-भाषा में
(घ) चाट और सूँघकर

V) किसके बिना दोस्ती फुसफुसी और हल्की-सी लगती है ? **1**

(क) ईर्ष्या-द्वेष के बिना
(ख) लड़ाई-झगड़े के बिना
(ग) धौल-धप्पा के बिना
(घ) आत्मीयता के बिना

8. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए -

I) तिब्बत में यात्रियों को क्या कठिनाई होती है? **1**

(क) उन्हें नींद नहीं आती।
(ख) उन्हें ठंड में तथा पहाड़ों पर चलने का अभ्यास नहीं होता
(ग) लोग घर में नहीं आते।
(घ) वहाँ चाय पीनी पड़ती है।

II) तिब्बती समाज की सबसे बड़ी विशेषता क्या है? **1**

(क) वहाँ लोग आराम से रहते हैं
(ख) वहाँ भिखमंगे बिल्कुल भी नहीं हैं।
(ग) लोग जाति-पाँति और छुआछूत को नहीं मानते।
(घ) अपरिचित व्यक्ति को घर में नहीं आने देते।

9. निम्नलिखित पद्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

मानुष हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन ।
जौ पसु हौं तो कहा बस मेरो चरौं नित नंद की धेनु मँझारन॥
पाहन हौं तो वही गिरि को जो कियो हरिछत्र पुरंदर धारन।
जौ खग हौं तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी कूल कदंब की डारन ।

I) कवि मनुष्य बनने पर अपनी क्या इच्छा प्रकट करता है? 1

(क) गोकुल गाँव के ग्वालों के बीच बसना चाहता है

(ख) खेलना चाहता है

(ग) पत्थर मारना चाहता है

(घ) खग बन कर उड़ना चाहता है

II) कृष्ण भक्ति पाने के लिए कवि क्या कामना करता है? 1

(क) छतरी धारण करना चाहता है

(ख) ब्रज के गोकुल गाँव के आस पास ही रहना चाहता है

(ग) पशु बनना चाहता है

(घ) यमुना नदी में नहाना चाहता है

III) कवि पत्थर बनकर क्या कामना करता है? 1

(क) गोवर्धन पर्वत का एक अंग बनना चाहता है

(ख) खड़े रहना चाहता है

(ग) मज़बूत बनना चाहता है

(घ) गिरना चाहता है

IV) कवि पक्षी बनकर कहाँ वास करना चाहता है? 1

(क) घोसलें में रहना

(ख) आसमान पर उड़ना

(ग) कालिंदी नदी के किनारे पेड़ की शाखाओं पर बसेरा करना

(घ) पेड़ पर रहना

V) ' पुरंदर ' शब्द किसके लिए आया है? 1

(क) इन्द्र देवता

(ख) श्री कृष्ण

(ग) बाबा नन्द

(घ) यशोदा

10. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए - 1

I) मानसरोवर किसे कहा गया है?

(क) मन को

(ख) शरीर को

(ग) नदी को

(घ) परमात्मा को

II) किसे स्वान रूप कहा गया है ? 1

(क) संसार

(ख) मनुष्य

(ग) देवता

(घ) ब्राह्मण